जैन दर्शन (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(1) जैन धर्म के अन्तिम तीर्थंकर कौन थे?

(a) महावीर (b) ऋषभदेव

(c) पार्श्वनाथ (d) इनमें से कोई नहीं

(2) जैन धर्म का कौन-सा सम्प्रदाय नग्नावस्था में रहता है?

(a) श्वेताम्बर (b) दिगम्बर

(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

(3) जैन साहित्य के अन्तर्गत आत्मानुशासन किसकी रचना है?

(a) उमा स्वामी (b) नेमि चन्द्र

(c) मेरू तुंग (d) गुण भद्र

(4) जैन दर्शन उत्पाद, नाश और नित्यता से युक्त पदार्थ को मानता है।

(a) सत् (b) असत्

(c) गुण (d) पर्याय

(5) जैन दर्शन के अनुसार द्रव्य

(a) सत् है (b) असत् है

(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

(6) जैन दर्शन में स्वरूप धर्मों को कहा जाता है।

(a) पर्याय (b) गुण

(c) सत् (d) असत्

(7) जैन दर्शन में आत्मा के स्थान पर किस शब्द का प्रयोग किया गया है।

(a) गुण (b) पर्याय

(c) जीव (d) अजीव

Scanned with CamScanner

(8) किस दर्शन में जीव को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि 'चेतना लक्षणो जीव'?

(a) जैन (b) न्याय
(c) वैशेषिक (d) इनमें से कोई नहीं।

(9) जैन दर्शन में चैतन्य को क्या माना गया है।

(a) आत्मा का आगन्तुक गुण (b) आत्मा का स्वभाव
(c) 'a' और 'b' दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

(10) जैन दर्शन में समस्त जीवों को कितनी श्रेणियों में बाँटा गया है?

(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

(11) अजीव द्रव्य का एक अन्य नाम है।

(a) चेतन (b) अचेतन
(c) जड़ (d) इनमें से कोई नहीं

(12) अजीव द्रव्य के कितने प्रकार है?

(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

(13) पुद्गल के सबसे छोटे भाग को, जिसका विभाजन नहीं हो सकता

(a) परमाणु (b) अणु
(c) ठिक (d) इनमें से कोई नहीं

(14) स्पर्श, रस, गन्ध एवं वर्ण गुण है

(a) पुद्गल के (b) आकाश के
(c) काल के (d) इनमें से कोई नहीं

Scanned with CamScanner

(15) जैन दर्शन के सन्दर्भ में कौन-सा कथन है?
(a) आकाश के कारण ही विस्तार सम्भव है।
(b) जीव पुद्गल धर्म व अधर्म आकाश में स्थित है।
(c) आकाश का अस्तित्व अनुमान के कारण सिद्ध नहीं होता है,
(d) आकाश के दो भेद आगे गए हैं लोकाकाश तथा अलोकाकाश।

(16) अनेकान्तवाद माना गया है।
(a) बौद्ध दर्शन में (b) जैन दर्शन में
(c) न्याय दर्शन में (d) सांख्य दर्शन में

(17) 'अनन्त धर्मकम वस्तु' का सम्बन्ध है।
(a) सापेक्षवाद से (b) अनेकान्तवाद से
(c) क्षणिकवाद से (d) स्याद्वाद से

(18) अनेकान्तवाद का सम्बन्ध है।
(a) वस्तुओं के द्वैत से (b) वस्तुओं की अनेकता से
(c) वस्तुओं की निरपेक्षता से (d) इनमें से कोई नहीं

(19) जैन दर्शन से सम्बन्धित नहीं है।
(a) अनेकान्तवाद (b) स्याद्वाद
(c) नयवाद (d) क्षणिकवाद

(20) जैन दर्शनानुसार बन्धन का कारण है।
(a) जीव का पुद्गल से वियोग (b) जीव का पुद्गल से संयोग
(c) कर्म पुद्गल का नष्ट होना (d) इनमें से कोई नहीं

(21) जैन दर्शन से सम्बन्धित नहीं है।
(a) अनेकान्तवाद (b) स्याद्वाद
(c) नयवाद (d) क्षणिकवाद

(22) जैन दर्शनानुसार बन्धन का कारण है
(a) जीव का पुद्गल से वियोग (b) जीव का पुद्गल से संयोग
(c) कर्म पुद्गल का नष्ट होना (d) इनमें से कोई नहीं

Scanned with CamScanner

(23) पुद्गल को षड्रूप किसने माना है?

(a) न्याय (b) वैशेषिक

(c) जैन दर्शन (d) बौद्ध दर्शन

(24) जैन दर्शन का स्याद्वाद है

(a) प्रत्ययवादी सापेक्षतावाद (b) वस्तुवादी सापेक्षता

(c) अनुभववादी (d) इनमें से कोई नहीं

(25) जैन दर्शन का स्याद्वाद स्पष्ट रूप से निर्देश देता है कि

(a) प्रत्येक ज्ञान पूर्ण सत्य होता है।

(b) प्रत्येक ज्ञान अनिश्चित होता है।

(c) प्रत्येक ज्ञान सापेक्ष सत्य होता है।

(d) प्रत्येक ज्ञान पूर्ण असत्य होता है।

(26) नय किसी वस्तु का आंशिक ज्ञान है, यह कथन सम्बन्धित है,

(a) योग दर्शन से (b) न्याय दर्शन से

(c) वैदिक दर्शन से (d) जैन दर्शन से

(27) जैन दार्शनिकों के अनुसार सांसारिक ज्ञान से पूर्व स्याद शब्द का प्रयोग करने पर किसी वस्तु के सन्दर्भ में कितने नय या परामर्श प्राप्त होते हैं,

(a) सात (b) आठ

(c) नौ (d) दस

(28) जैन दर्शन में चौथा परामर्श या नय है।

(a) स्याद अस्ति (b) स्याद नास्ति

(c) स्याद अस्ति च नास्ति च (d) स्याद अव्यक्तव्यम्

(29) इन्द्रियों एवं मन से प्राप्त ज्ञान को कहते हैं,

(a) श्रुति ज्ञान (b) मति ज्ञान

(c) स्मृति ज्ञान (d) इनमें से कोई नहीं,

(30) जैन दर्शन के अनुसार आगन्तुक या परिवर्तनशील धर्म कहलाता है।

(a) सत् (b) असत्

(c) गुण (d) पर्याय

Scanned with CamScanner

उत्तर-

1. (a)	2. (b)	3. (d)	4. (a)	5. (a)
6. (b)	7. (b)	8. (a)	9. (b)	10. (a)
11. (c)	12. (c)	13. (b)	14. (a)	15. (c)
16. (b)	17. (b)	18. (b)	19. (d)	20. (b)
21. (d)	22. (b)	23. (c)	24. (b)	25. (c)
26. (d)	27. (a)	28. (d)	29. (b)	30. (d)

Scanned with CamScanner